M.Com. (New CBCS Pattern) Semester-IV

PCC4C03 - Entrepreneurial Development

P. Pages : 3 **GUG/W/24/13700**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. a) Explain the concept of entrepreneurship and write the factors affecting growth of entrepreneurship. **16**

OR

b) Explain the role and barriers of women entrepreneurship. **16**

2. a) What are entrepreneurial opportunities in contemporary business environment. **16**

OR

b) Explain the role of innovation, creativity and business research in entrepreneurial development. **16**

3. a) What is small scale sector. Explain the importance of small scale sector in Indian Economy. **16**

OR

b) Explain the Social Responsibility of entrepreneurs (CSR). **16**

4. a) Discuss the ideas of consortium marketing, competitive bidding and tender marketing. **16**

OR

b) Explain the Ancillarisation entrepreneurship and industry. Give the Ancillary opportunities in different economic sector. **16**

5. Write short notes:

a) Differentiate between entrepreneurship and management. **4**

b) Note on building the business plan. **4**

c) NGO's in India. **4**

d) Agro Industries. **4**

****

M.Com. (New CBCS Pattern) Semester-IV

PCC4C03 - Entrepreneurial Development

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे अनिवार्य.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण.

1. अ) उद्योजकांची संकल्पना स्पष्ट करा आणि उद्योजकता वाढीला प्रभावित करणाऱ्या घटकांची सविस्तर माहिती लिहा. **16**

किंवा

ब) महिला उद्योजकांची भूमिका व अडथळे स्पष्ट करा. **16**

2. अ) समकालीन व्यवसायिक पर्यावरणात उद्योजक कशी संधी निर्माण करतो? **16**

किंवा

ब) उद्योजकता विकासात नवोत्पादन, सृजनशीलता आणि व्यवसाय संशोधनाचे महत्त्व विषद करा. **16**

3. अ) लघु उद्योग म्हणजे काय? भारतीय अर्थव्यवस्थेत लघु उद्योगांचे महत्त्व स्पष्ट करा. **16**

किंवा

ब) उद्योजकांची सामाजिक जबाबदारी स्पष्ट करा. **16**

4. अ) कन्सोर्टियम विपणन, स्पर्धात्मक लिलाव व टेंडर विपणन कल्पनांची चर्चा करा. **16**

किंवा

ब) सहाय्यभुत उद्योजकता आणि उद्योग स्पष्ट करा. तसेच विविध आर्थिक क्षेत्रात सहाय्यभुत संधी सांगा. **16**

5. थोडक्यात उत्तरे लिहा.

अ) उद्योजकता व व्यवस्थापन यातील फरक **4**

ब) "व्यवसाय आराखड्याची बांधणी" यावर टिपण लिहा. **4**

क) भारतातील गैरसरकारी संस्था (NGO) **4**

ड) कृषी उद्योग **4**

****

M.Com. (New CBCS Pattern) Semester-IV

PCC4C03 - Entrepreneurial Development

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों को समान अंक है।

1. अ) उद्योजकता की संकल्पना स्पष्ट कीजिये। और उद्योजकता वृध्दि के लिये प्रभावित करने वाले घटक विस्तार पूर्वक लिखीये। **16**

अथवा

ब) महिला उद्योजकों की भूमिका और आनेवाली कठिनाईयों को स्पष्ट कीजिये। **16**

2. अ) समकालीन व्यवसायीक पर्यावरण में उपक्रमी कैसे अवसर प्रदान करता है। **16**

अथवा

ब) उद्यमी विकास में नवप्रवर्तन, रचनात्मकता और व्यवसाय संशोधन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। **16**

3. अ) लघु उद्योग याने क्या? भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु उद्योग का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। **16**

अथवा

ब) उद्यमी की सामाजिक जिम्मेदारी कौन सी है विस्तार पूर्वक लिखीये। **16**

4. अ) कन्सोर्टियम विपणन, स्पर्धात्मक लिलाव और प्रतियोगी निविदा विपणन के विचार पर चर्चा कीजिये। **16**

अथवा

ब) सहाय्यभूत उद्योजकता एवंम उद्योग स्पष्ट कीजिए तथा विविध आर्थिक क्षेत्र में सहाय्यभूत संधी बताइए। **16**

5. संक्षिप्त में उत्तर दीजिए।

अ) उद्योजकता एवंम व्यवस्थापन में अंतर। **4**

ब) "व्यवसाय आराखडा बांधणी" पर टिप्पणी लिखिये। **4**

क) भारत की गैरसरकारी संस्था (NGO)। **4**

ड) कृषी उद्योग। **4**

****